महत्वपूर्ण एवं खास

राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय कोरोना पाजेटिव, एम्स में भर्ती

दुर्ग (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के तीन जिलों में कोरोना ने जिस प्रकार अपना कहर मचाया है उससे कारण प्रतिदिन हज़ारो की संख्या में लोग कोविड पाजेटिव आ रहे हैं। दुर्ग,राजनांदगांव और राज्य की राजधानी रायपुर में इसका विकराल रूप देखने को मिल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार राज्यसभा सांसद और दुर्ग जिले की वरिष्ठ भाजपा नेत्री सुश्री सरोज पाण्डेय कोरोना पॉजिटिव हुई हैं। जिसके कारण उन्हें दिल्ली के एम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

आईजी हुए कोरोना संक्रमित, खुद ट्वीट कर दी जानकारी..

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर आईजी रतन लाल डांगी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। इसकी जानकारी आईजी डांगी ने खुद ट्वीट कर दी है। बिलासपुर आईजी ने ट्विट कर लिखा, बुखार एवं जुकाम जैसे शुरुआती लक्षण दिखने पर मैंने अपने आप को आइसोलेट कर कल अपनी कोविड़-19 की जाँच कराई, जाँच में मेरी ग्न्न्स-ष्टश्ङ्क-2 रिपोर्ट पॉजिटिव आई है. मैंने प्राथमिक उपचार प्रारम्भ कर दिया है. मेरे संपर्क में आने वालों से निवेदन है कि वे स्वयं को क्वारंटाइन करते हुए अपनी जाँच करा ले। बिलासपुर जिले में सोमवार को 829 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं. जिसके बाद कुल मरीजों का आंकड़ा 30250 हो गया है. अच्छी बात यह है कि 24410 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं. जिले में एक्टिव मरीजों की संख्या 5576 है. कोरोना से अब तक 264 लोगों की मौत हो चुकी है।

मौसम में आए बदलाव अगले 24 घंटे में बस्तर सहित अनेक इलाकों में होगी हल्की बारिश

रायपुर (आरएनएस)। तापमान में अचानक वृद्धि होने से जहां गर्मी में इजाफा हुआ है वहीं हवा में नमी बढ़ने से ऊपरी हवा का चक्रवाती घेरा अंदरूनी उड़ीसा के ऊपर 1.5 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित है जिसके प्रभाव से दक्षिण छत्तीसगढ़ में आने वाले 24 घंटे में हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। दक्षिण छत्तीसगढ़ में एक-दो स्थानों पर अंधड़ चलने की संभावना है। चूंकि बंगाल की खाड़ी से नमी की आपूर्ति हो रही है इसलिए प्रदेश के उत्तरी भाग में भी एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। 14 अप्रैल को प्रदेश में एक द्रोणिका अथवा गरम/ नमी युक्त हवा का सम्मिलन क्षेत्र बन रहा है जिसके कारण प्रदेश के मध्य और उत्तर भाग में गरज चमक के साथ हल्की वर्षा होने अथवा छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश के मध्य और उत्तर भाग में गरज चमक के साथ अंधड चलने, आकाशीय बिजली गिरने तथा ओलावृष्टि संभावित है। ओलावृष्टि का क्षेत्र मुख्यतः जसपुर कोरबा सूरजपुर अंबिकापुर और बलरामपुर रहने की संभावना है।

जिले में लॉकडाउन 19 तक बढ़ा

दुर्ग (आरएनएस)। दुर्ग जिले में 6 अप्रैल से 14 अप्रैल तक लॉक डाउन लगाया गया था। कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए इस लॉक डाउन के नतीजे प्रभावी रहे हैं और इससे कोरोना संक्रमण में कमी देखी गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने लॉक डाउन को दिनांक 19 अप्रैल तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। कलेक्टर द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार उक्त लॉकडाउन भी पूर्व के लॉकडाउन की भांति होगा।

राज्यपाल से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की

रायपुर (आरएनएस)। राज्यपाल अनुसुईया उइके से आज यहां राजभवन में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, सांसद सुनील सोनी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री विष्णुदेव साय, विधायक बृजमोहन अग्रवाल एवं अजय चन्द्राकर उपस्थित थे।

प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 13576 पहुंची, 107 की मौत, कई जिलों में बिगड़े हालात

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना वायरस कोविड-19 का प्रकोप तेजी के साथ पूरे प्रदेश को अपनी चपेट में ले चुका है। पिछले 24 घंटे में 13 हजार से अधिक मरीज कोरोना पॉजीटिव का होना बेहद चिंता का विषय है। इधर कोरोना के इलाज के लिए शहर के अस्पतालों में मारामारी है। शासकीय अशासकीय चिकित्सा संस्थानों में बेड फुल होने के कारण राज्य शासन ने तत्काल प्रभाव से सोमवार को मंत्रालय से आदेश जारी कर 60 और अस्पतालों को कोरोना पॉजीटिव मरीजों के इलाज के लिए अनुबंधित किया है। राज्य शासन द्वारा

जारी आदेश के अनुसार इलाज के लिए कोरोना मरीजों के लिए नई दर भी नामांकित अस्पतालों के लिए प्रेषित की गई है साथ ही नोडल अधिकारियों की पदस्थापना मरीजों की सुविधा के लिए तैनात की गई है। अधिक दर पर इलाज करने वाले अस्पतालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए अनुबंध निरस्तीकरण के साथ ही संबंधी चिकित्सा संस्थान की मान्यता भी नर्सिंग होम एक्ट के तहत खत्म होगी। मंत्रालयीन सूत्रों के अनुसार राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता कोरोना मरीजों का सर्वोत्तम इलाज है। इलाज में कोताही बरतने पर संबंधित अस्पताल पर कार्यवाही की जाएगी। सोमवार रात 8 बजे की स्थिति में जारी बुलेटिन के अनुसार कोरोना वायरस कोविड-19 के द्वितीय चरण में गत 24 घंटे में पहली बार कोरोना संक्रमितों की संख्या 13576 पहुंची है। उपचार के दौरान 107 मरीजों की मृत्यु हुई। विगत 24 घंटे में सर्वाधिक रायपुर 3442, दुर्ग 1591 एवं राजनांदगांव में 1132 मरीज कोरोना संक्रमित दर्ज किये गये हैं। प्रदेश की राजधानी रायपुर की स्थिति इन दिनों काफी गंभीर है। कोरोना सेंटर के अनुसार प्रदेश में अब तक सर्वाधिक 4,56,873 कोरोना मरीज दर्ज किये गये हैं। अस्पताल से डिस्जार्ज होने वाले 108,838 मरीज है वही अब तक होम आईसोलेशन एवं हास्पिटल से डिस्जार्च होने वाले मरीजों की संख्या 3,52,986 है। प्रदेश में 24 घंटे में होम आईसोलेशन से डिस्जार्च होने वाले मरीज 4436 एवं 24 घंटे में अस्पताल से डिस्जार्च होने वाले मरीज 162 है। सक्रिय मरीज 98,856 है। जबकि 45,997 का कोरोना टेस्ट किया गया है।

जिलेवार कोरोना संक्रमितों के मामले

दुर्ग-1551, राजनांदगांव-1132, बालोद-357, बेमेतरा-641, कबीरधाम-452, रायपुर-3442, धमतरी-332, बलौदाबाजार-801, महासमुंद-246, गरियाबंद-312, बिलासपुर-829, रायगढ़-413, कोरबा-638, जांजगीर-चांपा-465, मुंगेली-256, पेण्ड्रागौरेला मरवाही-119, सरगुजा-208, कोरिया-184, सूरजपुर-240, बलरामपुर-129, जशपुर-295, बस्तर-173, कोण्डागांव-82, दंतेवाड़ा-58, सुकमा-16, कांकेर-143, नारायणपुर-12, बीजापुर-10, अन्य राज्य से एक भी कोरोना मरीज नहीं पाया गया है।

विदेशी भाषा का टैग लगा संदिग्ध जासूसी कबूतर पकड़ा गया

कोंडागांव (आरएनएस)। जिले के ग्राम जामपदर में संदिग्ध जासूसी कबूतर पकड़ा गया है, कबूतर के पैर में विदेशी भाषा का टैग लगा मिला है। पुलिस कबूतर को कब्जे में लेकर इसकी जांच कर रही है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में संदिग्ध कबूतर के मिलने से नक्सलियों के द्वारा कबूतर के जरिए जासूसी या संदेश पंहुचाने की संभावना की जांच की जा रही है।

कबूतर एकमात्र ऐसा पक्षी है जो हर हाल में अपने मालिक (जिससे उन्हें दाना मिलता है) के पास लौटकर आता है। कबूतर काफी समझदार होते हैं, कबूतरों की एक प्रजाति रेचिंग होमर एक बेहद खास कबूतर होते हैं। उन्हें इस तरह से प्रशिक्षित किया जाता है कि वे तेजी से उड़े और गंतव्य तक पहुंचकर वापस लौट सकें। पहले और दूसरे विश्व युद्ध के दौरान कबूतरों की इसी प्रजाति को जासूसी या संदेश पहुंचाने में उपयोग किया गया था।

ग्रामीण वेशभूषा में बाजार में निगरानी रखकर मोटरसाइकिल चोर पुलिस ने दबोचा , आरोपी के पास से 17 बाइक बरामद

रायपुर (आरएनएस)। विगत दिनों थाना बोराई क्षेत्रांतर्गत साप्ताहिक हाट बाजार से मोटरसाइकिल चोरी होने की सूचना मिल रही थी। इस संबंध में थाना बोराई में मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 379 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर अज्ञात आरोपी एवं चोरी गये मोटरसाइकिल की पतासाजी की जा रही थी।

मामले में खुलासा करते हुये बताया कि पुलिस अधीक्षक बी.पी. राजभानू द्वारा प्रभारी बोराई को साप्ताहिक बाजारों सहित क्षेत्र में सतत निगरानी रखने निर्देश दिया गया। इसी क्रम में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार प्रभारी बोराई सहायक उपनिरीक्षक देवनाथ सिन्हा ने थाना स्तर पर टीम तैयार कर ग्रामीण वेशभूषा में बोराई के साप्ताहिक बाजार पहुंचकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं खड़े वाहनों पर निगाह रख रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति पर संदेह होने से उसे बाजार में फ ॉलो किया गया। कुछ देर बाद वही व्यक्ति अपने जेब से चाबी का गुच्छा निकालकर खड़ी मोटरसाइकिल में लगाने लगा। किंतु मोटरसाइकिल लॉक होने पर वह तुरंत दूसरे मोटरसाइकिल में मास्टर चाबी फ ंसाकर उसे निकालने लगा और उसके मोटरसाइकिल चालू कर भागने के पूर्व घेराबंदी कर रंगे हाथ पकड़ा गया। उसका नाम पता पूछने पर अपना नाम बिरसिंह पटेल पिता मन्नु राम पटेल निवासी ग्राम अड़ेगा ठाकुरपारा थाना केशकाल जिला कोंडागांव बताया। उसके द्वारा चोरी कर छिपाकर रखे गए कुल 17 मोटरसाइकिल कीमती करीबन 3,15,000/- को बरामद किया गया।

कोरोना से बचाव के लिए छत्तीसगढ़ में अब तक 44.73 लाख से अधिक टीके लगाए गए, 4.32 लाख लोगों को दी जा चुकी है दूसरी खुराक

» 88 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मियों, 85 प्रतिशत फ्रंटलाइन वर्कर्स और 45 वर्ष से अधिक के 60 प्रतिशत लोगों को लग चुका है पहला टीका

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना से बचाव के लिए अब तक (12 अप्रैल तक) 44 लाख 73 हजार 200 टीके लगाए जा चुके हैं। प्रदेश के चार लाख 31 हजार 888 लोगों को टीके की दोनों खुराक दी जा चुकी हैं। इनमें एक लाख 96 हजार 601 स्वास्थ्य कर्मी, एक लाख 40 हजार 358 फ्रंटलाइन वर्कर्स और 45 वर्ष से अधिक

उम्र के 94 हजार 929 लोग शामिल हैं। कोरोना टीकाकरण की राज्य नोडल अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि प्रदेश के 88 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मियों, 85 प्रतिशत फ्रंटलाइन वर्कर्स और 45 वर्ष से अधिक के 60 प्रतिशत लोगों को कोरोना से बचाव का पहला टीका लगाया जा चुका है। वहीं 58 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मियों और 48 प्रतिशत फ्रंटलाइन वर्कर्स को टीके का दूसरा डोज भी दिया जा चुका है।

प्रदेश में अब तक 45 वर्ष से अधिक उम्र के 34 लाख 98 हजार 378 लोगों को कोरोना से बचाव का पहला टीका लगाया जा चुका है। इनमें से 94 हजार 929 ने इसकी दूसरी खुराक भी ले ली है। प्रदेश भर में इस आयु वर्ग के कुल 58 लाख 66 हजार 599 लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य है। प्रदेश के दो लाख 96 हजार 794 स्वास्थ्य कर्मियों और दो लाख 46 हजार 140 फ्रंटलाइन वर्कर्स को कोरोना से बचाव का पहला टीका लगाया जा चुका है। इन दोनों श्रेणियों में लक्षित क्रमशः 88 प्रतिशत और 85 प्रतिशत कार्मिकों को पहली खुराक दी जा चुकी है। प्रदेश में शासकीय व निजी क्षेत्र के कुल तीन लाख 38 हजार 844 स्वास्थ्य कर्मियों और दो लाख 90 हजार 720 फ्रंटलाइन वर्कर्स के टीकाकरण का लक्ष्य है।

नक्सलियों के दरभा डिवीजन कमेटी सचिव ने जारी किया प्रेस नोट

» फर्जी मुठभेड़ का लगाया आरोप, ईनामी नक्सली को बताया ग्रामीण

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। नक्सलियों के दरभा डिवीजन कमेटी के सचिव साईनाथ जारी कर दंतेवाड़ा पुलिस पर फर्जी मुठभेड़ का आरोप लगाते हुए, मुठभेड़ में मारे गये एक लाख रुपए के इनामी नक्सली वेट्टी हूंगा को ग्रामीण बताया है। डीआरजी के जवानों पर हत्या का आरोप लगाया गया है।

दरभा डिवीजन कमेटी सचिव साईनाथ के द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया गया है कि वेट्टी हूंगा राशन दुकान में चांवल लेने गया था, उसके पास कोई भी हथियार नही था। इसके अलावा 06 अन्य की हत्या का आरोप भी लगाया है।

उल्लेखनिय है कि दो दिन पहले जंगमपाल और गादम के जंगल में हुई मुठभेड़ में एक लाख रुपए का इनामी वेट्टी हूंगा मारा गया था। हूंगा पर छग शासन की तरफ से एक लाख व दंतेवाड़ा पुलिस के द्वारा 10 हजार रुपए का ईनाम घोषित था। जिसे फर्जी मुठभेड़ में हत्या करने और ईनामी नक्सली को ग्रामीण बताया जा रहा है।

नाबालिग बालिका का गर्भपात करने वाली महिला डॉक्टर को दिल्ली से किया गिरफ्तार

धमतरी (आरएनएस)। थाना सिहावा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिरसिदा निवासी शारीरिक शोसन की शिकार एक नाबालिग का जबरदस्ती गर्भपात कराने के मामलें में पुलिस ने उड़िसा की एक महिला डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद से आरोपी डॉक्टर फरार थी। पुलिस ने डॉक्टर को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना सिहावा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिरसिदा निवासी पीड़िता के पिता ने 20 जनवरी 2021 को थाना सिहावा में लिखित आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि ग्राम सिरसिदा कर्णेश्वर पारा निवासी लोकेश तिवारी ने उसकी नाबालिग पुत्री को धोखे से अपने घर बुलाकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया जिससे पीड़िता गर्भवती हो गई। फिर अपने परिजनों के साथ मिलकर उड़ीसा के झठियारपारा अपने रिश्तेदार के यहां ले गए और रायघर उड़ीसा की महिला डॉक्टर से मिलकर जबर्दस्ती गर्भपात करवा दिया। उक्त रिपोर्ट पर थाना सिहावा में आरोपियों के खिलाफ धारा 376, 313, 34 भादवि एवं 6, 17 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी रेवती बाई, लोकेश तिवारी, संध्या रानी शर्मा एवं देवराज तिवारी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड लिया गया। वहीं पीड़िता का गर्भपात करने वाली रायगढ़ उड़ीसा निवासी महिला डॉक्टर ममता रानी बेहरा अपराध दर्ज होने का पता चलने के बाद फरार हो गई थी जिसकी लगातार पतासाजी की जा रही थी। मंगलवार को अजाक पुलिस को जानकारी मिली की आरोपी डॉक्टर दिल्ली में छिपी हुई है जिसपर कार्रवाही करते हुए अजाक पुलिस ने उसे दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है।

छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने की खुदकुशी

भिलाई (आरएनएस)। छेड़खानी से परेशान एक छात्रा ने खुदकुशी कर ली। मामला दुर्ग के मोहन नगर थाना क्षेत्र का है। घटना रविवार को 16 वर्षीय नाबालिग ने खुद पर केरोसिन छिड़ककर आग लगा ली। बुरी तरह झुलसी हालत में उसे उपचार के लिए सेक्टर-9 अस्पताल भर्ती कराया गया। जहां सोमवार की देर रात उसकी मौत हो गई। पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी आदित्य नगर निवासी शशिकांत के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी नाबालिग के पिता ने दी।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठन सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुछ सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य तथा में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

जागरूक हो रहे लोग, दाह संस्कार में हो रहा गौ काष्ठ का उपयोग

» मंत्री डॉ.डहरिया की दूरगामी सोच से रूक रही पेड़ों की बलि

» नगरीय प्रशासन विभाग ने दाह संस्कार और अलाव में गौ-काष्ठ का उपयोग करने दिया है आदेश

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना सहित अन्य बीमारियों की वजह से इन दिनों होने वाली मौतों के बाद होने वाले दाह संस्कार में गोबर से बने गौ काष्ठ और कण्डे का भी उपयोग कर बहुत से लोग अपनी जागरूकता का परिचय दे रहे हैं। दाह संस्कार में गौ काष्ठ का उपयोग बढ़ने से इसके उत्पादन में लगी महिला स्व-सहायता समूहों को फायदा होगा, वहीं सबसे बड़ा फायदा यह भी होगा कि गौ-

काष्ठ का उपयोग दाह संस्कार में होने से लाखों पेड़ों की कटाई रूकेगी। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया ने सभी नगरीय निकायों के अंतर्गत आने वाले दाह संस्कार/मुक्तिधाम स्थल पर गोठानों में निर्मित होने वाले गौ काष्ठ का उपयोग लकड़ी के स्थान पर दाह संस्कार के लिए करने की अपील लगातार कर रहे हैं, साथ ही उन्होंने मुक्तिधाम सहित महत्वपूर्ण स्थानों पर गौ-काष्ठ की बिक्री रियायती दर पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी अफसरों को दिया हुआ है। मंत्री डॉ. डहरिया की दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि होलिका के बाद अब शव को जलाने में लकड़ी की अपेक्षा गौ-काष्ठ का उपयोग किया जाने लगा है।इको-फ्रेण्डली दाह संस्कार से पर्यावरण का संरक्षण और स्वच्छ तथा प्रदूषण मुक्त शहर की संकल्पना भी साकार हो रहा है।

115 स्थानों पर लगी है गौ काष्ठ मशीन

प्रदेश के लगभग सभी जिलों में इस समय गोठान संचालित किए जा रहे हैं। जिसमें से 166 नगरीय निकाय क्षेत्रों में 322 गोठान संचालित है। इन गोठानों में जैविक खाद के अलावा गोबर के अनेक उत्पाद बनाए जा रहे हैं। गोठानों में गौ-काष्ठ और कण्डे भी बनाए जा रहे हैं। कुल 142 स्थानों में गोबर से गौ काष्ठ बनाने मशीनें भी स्वीकृत की जा चुकी है और 115 स्थानों में यह मशीन काम भी करने लगी है। निकायों के अंतर्गत गोठानों के माध्यम से गोबर का उपयोग गौ काष्ठ बनाने में किया जा रहा है। लगभग 7113 क्विंटल गौ काष्ठ विक्रय के लिए तैयार किया गया है। सूखे गोबर से निर्मित गौ-काष्ठ एक प्रकार से गोबर की बनी लकड़ी है। इसका आकार एक से दो फीट तक लकड़ीनुमा रखा जा रहा है। गौ-काष्ठ एक प्रकार से कण्डे का वैल्यू संस्करण है।